Sample

01 Apr 1987

10:15 AM

Delhi

Model: Shani-Sadesati-Report

सूचना

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती हैं। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/04/1987**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**10:15:00 घंटे**
इष्ट	10:06:41 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:53:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:04 घंटे
साम्पातिक काल	22:29:56 घंटे
सूर्योदय	06:12:19 घंटे
सूर्यास्त	18:38:35 घंटे
दिनमान	12:26:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:15:17 मीन
लग्न के अंश	28:04:11 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	विष्कुम्भ
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

पंचांग

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1909	चैत्र	11
पंजाबी	संवत : 2043	चैत्र	19
बंगाली	सन् : 1393	चैत्र	17
तमिल	संवत : 2043	पंगुनी	18
केरल	कोल्लम : 1162	मीनम	18
नेपाली	संवत : 2043	चैत्र	18
चैत्रादि	संवत : 2044	चैत्र	शुक्ल 3
कार्तिकादि	संवत : 2044	चैत्र	शुक्ल 3

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि _____: 3
तिथि समाप्ति काल _____: 17:19:38
जन्म तिथि _____: 3
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: भरणी
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 23:14:49 घंटे
जन्म योग _____: भरणी
सूर्योदय कालीन योग _____: विष्कुम्भ
योग समाप्ति काल _____: 21:16:06 घंटे
जन्म योग _____: विष्कुम्भ
सूर्योदय कालीन करण _____: गर
करण समाप्ति काल _____: 17:19:38 घंटे
जन्म करण _____: गर
भयात _____: 30:08:31
भभोग _____: 62:38:03
भोग्य दशा काल _____: शुक्र 10 वर्ष 3 मा 23 दि

घात चक्र

मास _____: कार्तिक
तिथि _____: 1-6-11
दिन _____: रविवार
नक्षत्र _____: मघा
योग _____: विष्कुम्भ
करण _____: बव
प्रहर _____: 1
वर्ग _____: सिंह
लग्न _____: मेष
सूर्य _____: कर्क
चन्द्र _____: मेष
मंगल _____: सिंह
बुध _____: वृष
गुरु _____: कन्या
शुक्र _____: तुला
शनि _____: मिथुन
राहु _____: वृश्चिक

जन्म कुण्डली

लग्न कुंडली

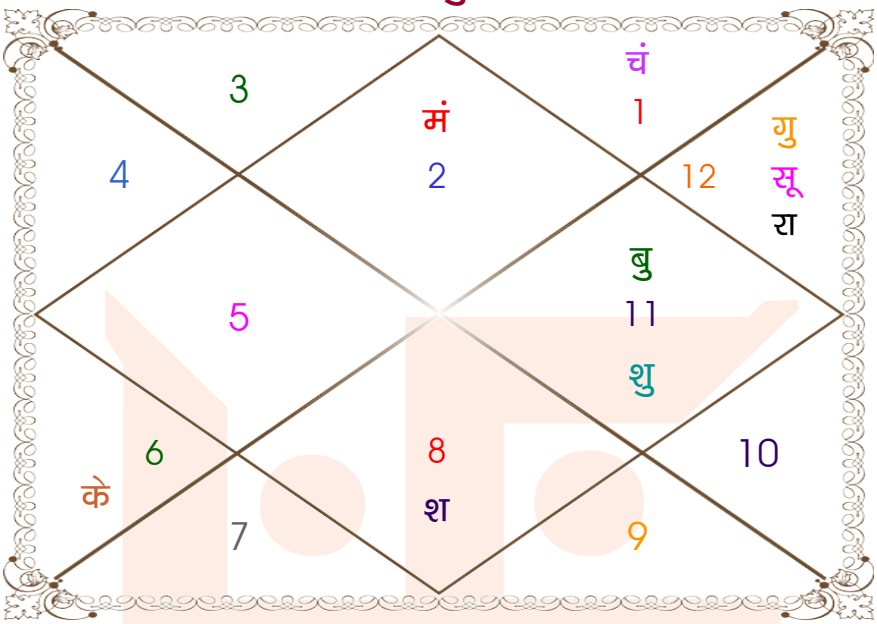

चन्द्र कुंडली

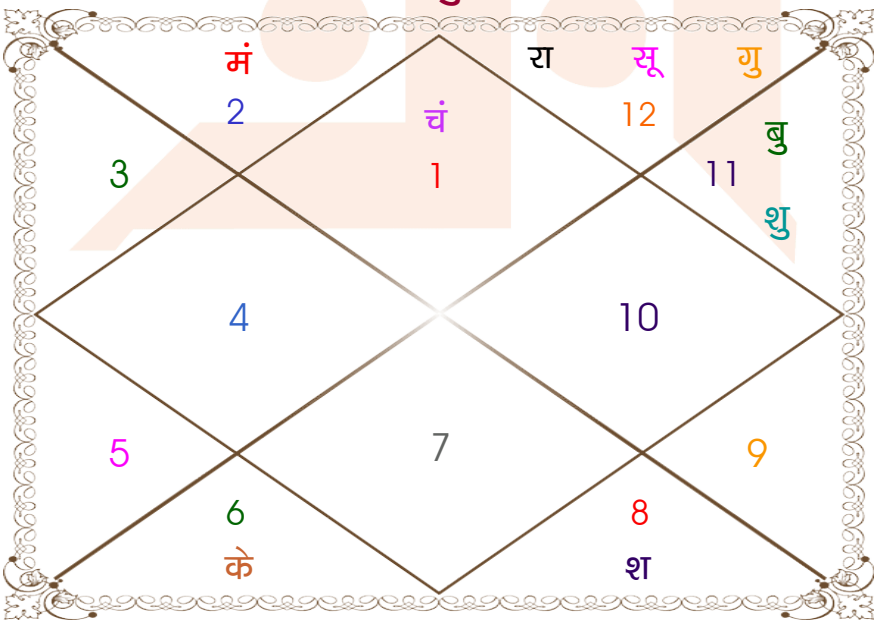

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

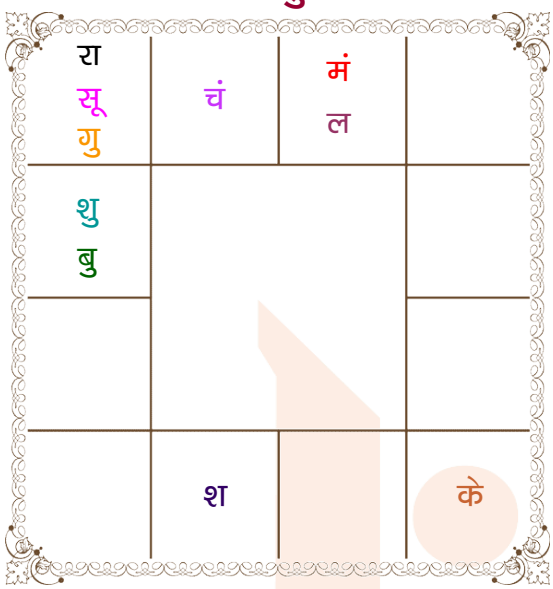

लग्न कुंडली

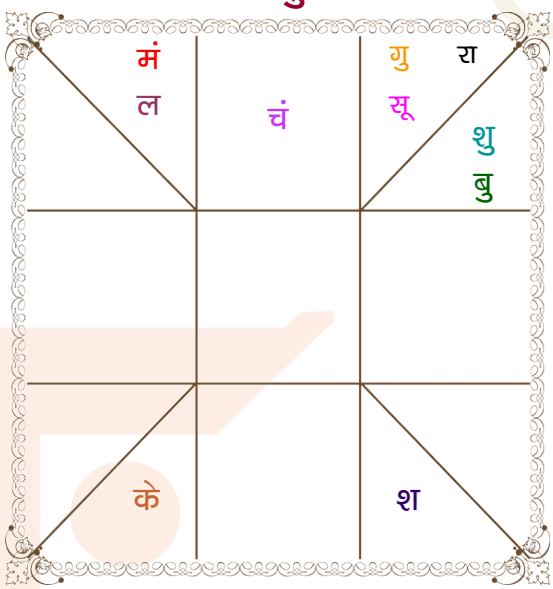

विंशोत्तरी
शुक्र 10वर्ष 3मा 23दि

शुक्र

01/04/1987

24/07/2097

शुक्र	24/07/1997
सूर्य	24/07/2003
चन्द्र	24/07/2013
मंगल	24/07/2020
राहु	24/07/2038
गुरु	24/07/2054
शनि	24/07/2073
बुध	24/07/2090
केतु	24/07/2097

योगिनी
भद्रिका 2वर्ष 6मा 28दि

भद्रिका

28/10/2020

29/10/2025

भद्रिका	09/07/2021
उल्का	09/05/2022
सिद्धा	30/04/2023
संकटा	08/06/2024
मंगला	29/07/2024
पिंगला	08/11/2024
धान्या	09/04/2025
भ्रामरी	29/10/2025

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	28:04:11	345:17:04	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			मीन	17:15:17	00:59:15	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मेष	19:47:27	12:46:39	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			वृष	03:18:12	00:40:22	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	सम राशि
बुध			कुंभ	20:06:38	01:12:35	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु		अ	मीन	13:24:03	00:14:31	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	10:31:38	01:11:47	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		वृश्चि	27:29:04	00:00:06	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु			मीन	17:49:18	00:00:09	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
केतु			कन्या	17:49:18	00:00:09	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	03:03:01	00:00:00	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
नेप			धनु	14:18:12	00:00:18	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	15:39:45	00:01:26	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	12:00:22	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:40

लग्न-चलित

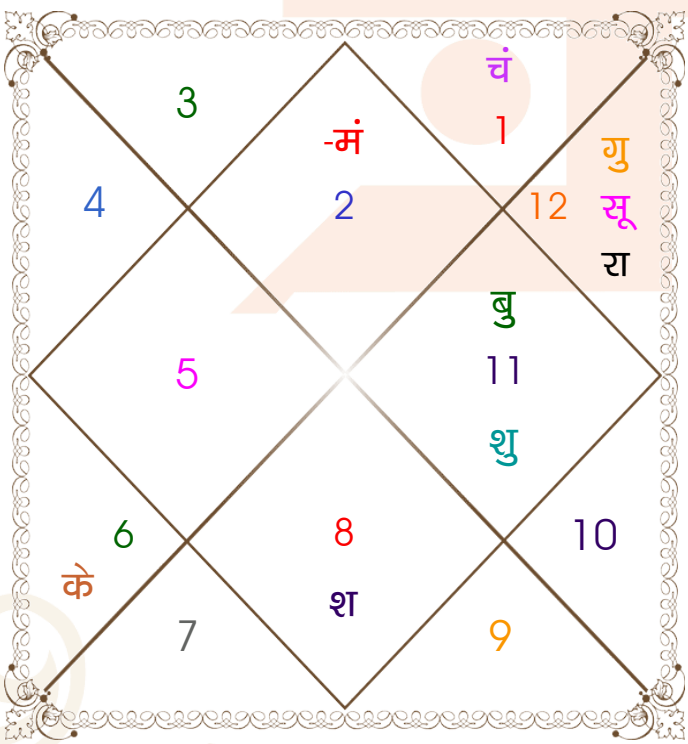

चन्द्र कुंडली

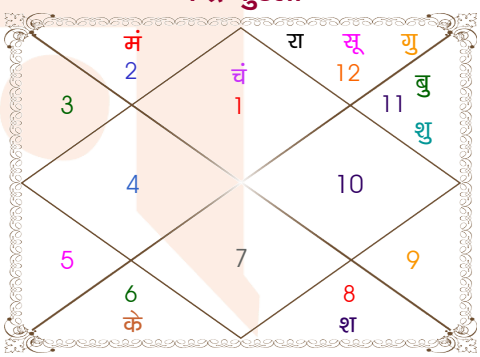

नवमांश कुंडली

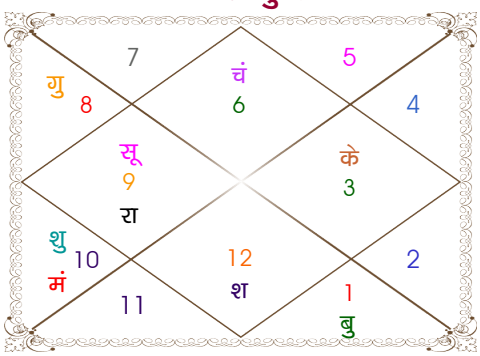

HoroscopeCart
Mobile / WhatsApp : +91-7835830918
E-Mail : contact@horoscopecart.com
Website : www.horoscopecart.com

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	वृष	10:23:33	वृष	28:04:11
2	मिथुन	10:23:33	मिथुन	22:42:55
3	कर्क	05:02:16	कर्क	17:21:38
4	कर्क	29:41:00	सिंह	12:00:22
5	सिंह	29:41:00	कन्या	17:21:38
6	तुला	05:02:16	तुला	22:42:55
7	वृश्चिक	10:23:33	वृश्चिक	28:04:11
8	धनु	10:23:33	धनु	22:42:55
9	मकर	05:02:16	मकर	17:21:38
10	मकर	29:41:00	कुम्भ	12:00:22
11	कुम्भ	29:41:00	मीन	17:21:38
12	मेष	05:02:16	मेष	22:42:55

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	वृष	28:04:11
2	मिथुन	21:17:32
3	कर्क	14:49:03
4	सिंह	12:00:22
5	कन्या	15:09:55
6	तुला	22:33:41
7	वृश्चिक	28:04:11
8	धनु	21:17:32
9	मकर	14:49:03
10	कुम्भ	12:00:22
11	मीन	15:09:55
12	मेष	22:33:41

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा
पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल
पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी

चलित कुंडली

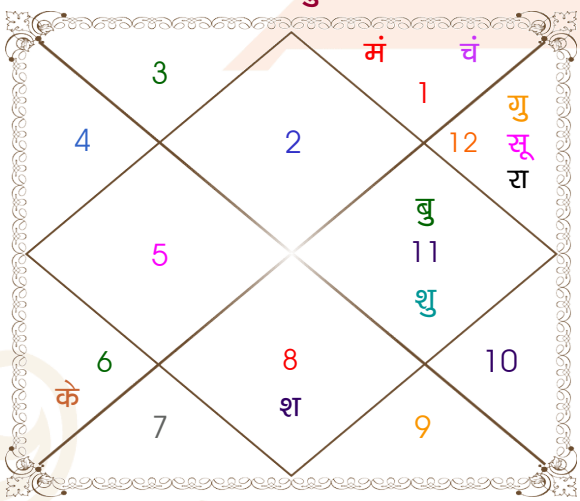

भाव कुंडली

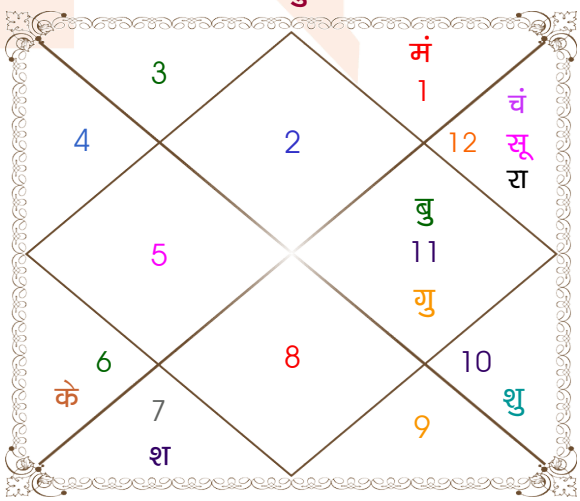

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	------ कारक ------			------- अवस्था -------			
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	ग्रह बल
सूर्य	मातृ	पितृ	युवा	मुदित	आगम	8.74	30 %
चंद्र	भ्रातृ	मातृ	वृद्ध	शान्त	उपवेशन	10.01	35 %
मंगल	कलत्र	भ्रातृ	मृत	निपीदित	कौतुक	2.82	31 %
बुध	अमात्य	ज्ञाति	वृद्ध	निपीदित	आगमन	0.83	64 %
गुरु	पुत्र	धन	युवा	विकल	प्रकाश	0.00	37 %
शुक्र	ज्ञाति	कलत्र	कुमार	मुदित	उपवेशन	7.91	19 %
शनि	आत्मा	आयु	बाल	खल	आगम	1.58	19 %
राहु	---	ज्ञान	युवा	निपीदित	उपवेशन	0.00	97 %
केतु	---	मोक्ष	युवा	खल	आगम	0.00	97 %
कुल						31.89	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा
पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल
पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी

चलित कुंडली

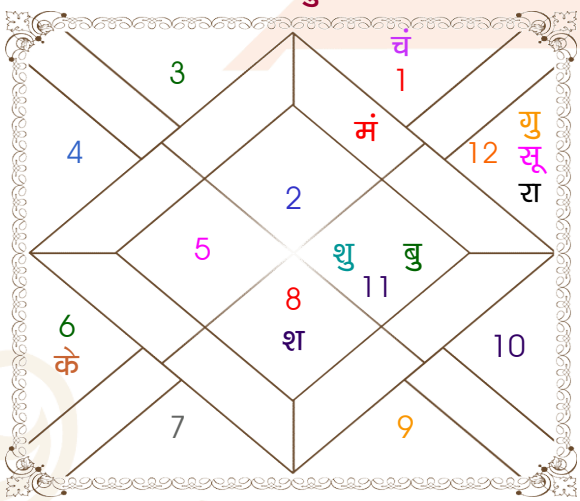

लग्न-चलित

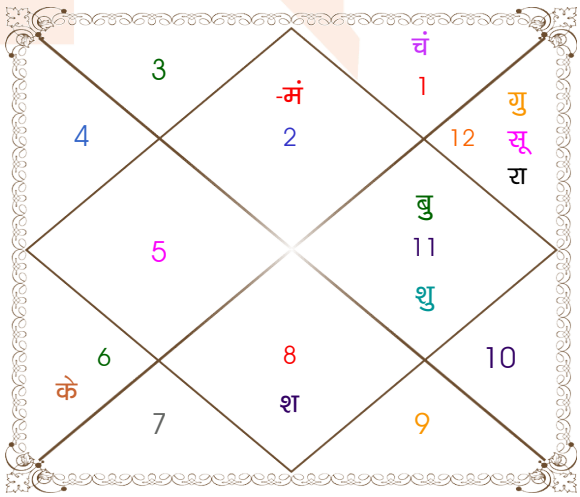

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 10 वर्ष 3 मास 23 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/04/1987		24/07/1997		24/07/2003		24/07/2013		24/07/2020	
24/07/1997		24/07/2003		24/07/2013		24/07/2020		24/07/2038	
	00/00/0000	सूर्य	11/11/1997	चंद्र	24/05/2004	मंगल	20/12/2013	राहु	06/04/2023
	00/00/0000	चंद्र	12/05/1998	मंगल	23/12/2004	राहु	08/01/2015	गुरु	29/08/2025
	00/00/0000	मंगल	17/09/1998	राहु	24/06/2006	गुरु	15/12/2015	शनि	05/07/2028
	01/04/1987	राहु	12/08/1999	गुरु	24/10/2007	शनि	22/01/2017	बुध	23/01/2031
राहु	23/09/1987	गुरु	30/05/2000	शनि	24/05/2009	बुध	20/01/2018	केतु	10/02/2032
गुरु	24/05/1990	शनि	12/05/2001	बुध	24/10/2010	केतु	18/06/2018	शुक्र	10/02/2035
शनि	24/07/1993	बुध	18/03/2002	केतु	25/05/2011	शुक्र	18/08/2019	सूर्य	05/01/2036
बुध	24/05/1996	केतु	24/07/2002	शुक्र	22/01/2013	सूर्य	24/12/2019	चंद्र	06/07/2037
केतु	24/07/1997	शुक्र	24/07/2003	सूर्य	24/07/2013	चंद्र	24/07/2020	मंगल	24/07/2038

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
24/07/2038		24/07/2054		24/07/2073		24/07/2090		24/07/2097	
24/07/2054		24/07/2073		24/07/2090		24/07/2097		00/00/0000	
गुरु	10/09/2040	शनि	27/07/2057	बुध	21/12/2075	केतु	20/12/2090	शुक्र	23/11/2100
शनि	25/03/2043	बुध	05/04/2060	केतु	17/12/2076	शुक्र	19/02/2092	सूर्य	24/11/2101
बुध	30/06/2045	केतु	15/05/2061	शुक्र	18/10/2079	सूर्य	26/06/2092	चंद्र	25/07/2103
केतु	06/06/2046	शुक्र	15/07/2064	सूर्य	23/08/2080	चंद्र	25/01/2093	मंगल	24/09/2104
शुक्र	04/02/2049	सूर्य	27/06/2065	चंद्र	23/01/2082	मंगल	24/06/2093	राहु	02/04/2107
सूर्य	23/11/2049	चंद्र	26/01/2067	मंगल	20/01/2083	राहु	12/07/2094		00/00/0000
चंद्र	25/03/2051	मंगल	06/03/2068	राहु	08/08/2085	गुरु	18/06/2095		00/00/0000
मंगल	29/02/2052	राहु	11/01/2071	गुरु	14/11/2087	शनि	27/07/2096		00/00/0000
राहु	24/07/2054	गुरु	24/07/2073	शनि	24/07/2090	बुध	24/07/2097		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 10 वर्ष 4 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - गुरु		राहु - शनि		राहु - बुध		राहु - केतु		राहु - शुक्र	
06/04/2023		29/08/2025		05/07/2028		23/01/2031		10/02/2032	
29/08/2025		05/07/2028		23/01/2031		10/02/2032		10/02/2035	
गुरु	01/08/2023	शनि	10/02/2026	बुध	14/11/2028	केतु	14/02/2031	शुक्र	11/08/2032
शनि	18/12/2023	बुध	08/07/2026	केतु	08/01/2029	शुक्र	19/04/2031	सूर्य	05/10/2032
बुध	20/04/2024	केतु	06/09/2026	शुक्र	12/06/2029	सूर्य	08/05/2031	चंद्र	04/01/2033
केतु	10/06/2024	शुक्र	27/02/2027	सूर्य	29/07/2029	चंद्र	09/06/2031	मंगल	09/03/2033
शुक्र	03/11/2024	सूर्य	20/04/2027	चंद्र	14/10/2029	मंगल	02/07/2031	राहु	20/08/2033
सूर्य	17/12/2024	चंद्र	16/07/2027	मंगल	07/12/2029	राहु	28/08/2031	गुरु	13/01/2034
चंद्र	28/02/2025	मंगल	15/09/2027	राहु	26/04/2030	गुरु	18/10/2031	शनि	06/07/2034
मंगल	20/04/2025	राहु	18/02/2028	गुरु	28/08/2030	शनि	18/12/2031	बुध	08/12/2034
राहु	29/08/2025	गुरु	05/07/2028	शनि	23/01/2031	बुध	10/02/2032	केतु	10/02/2035

राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल		गुरु - गुरु		गुरु - शनि	
10/02/2035		05/01/2036		06/07/2037		24/07/2038		10/09/2040	
05/01/2036		06/07/2037		24/07/2038		10/09/2040		25/03/2043	
सूर्य	27/02/2035	चंद्र	19/02/2036	मंगल	28/07/2037	गुरु	05/11/2038	शनि	04/02/2041
चंद्र	26/03/2035	मंगल	22/03/2036	राहु	24/09/2037	शनि	08/03/2039	बुध	15/06/2041
मंगल	14/04/2035	राहु	13/06/2036	गुरु	14/11/2037	बुध	27/06/2039	केतु	08/08/2041
राहु	02/06/2035	गुरु	25/08/2036	शनि	13/01/2038	केतु	11/08/2039	शुक्र	09/01/2042
गुरु	16/07/2035	शनि	19/11/2036	बुध	09/03/2038	शुक्र	19/12/2039	सूर्य	24/02/2042
शनि	06/09/2035	बुध	05/02/2037	केतु	31/03/2038	सूर्य	27/01/2040	चंद्र	13/05/2042
बुध	23/10/2035	केतु	09/03/2037	शुक्र	03/06/2038	चंद्र	01/04/2040	मंगल	06/07/2042
केतु	11/11/2035	शुक्र	08/06/2037	सूर्य	22/06/2038	मंगल	17/05/2040	राहु	21/11/2042
शुक्र	05/01/2036	सूर्य	06/07/2037	चंद्र	24/07/2038	राहु	10/09/2040	गुरु	25/03/2043

गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र	
25/03/2043		30/06/2045		06/06/2046		04/02/2049		23/11/2049	
30/06/2045		06/06/2046		04/02/2049		23/11/2049		25/03/2051	
बुध	20/07/2043	केतु	19/07/2045	शुक्र	15/11/2046	सूर्य	18/02/2049	चंद्र	02/01/2050
केतु	06/09/2043	शुक्र	14/09/2045	सूर्य	03/01/2047	चंद्र	14/03/2049	मंगल	31/01/2050
शुक्र	22/01/2044	सूर्य	01/10/2045	चंद्र	25/03/2047	मंगल	01/04/2049	राहु	14/04/2050
सूर्य	04/03/2044	चंद्र	30/10/2045	मंगल	21/05/2047	राहु	14/05/2049	गुरु	18/06/2050
चंद्र	12/05/2044	मंगल	19/11/2045	राहु	14/10/2047	गुरु	22/06/2049	शनि	03/09/2050
मंगल	29/06/2044	राहु	09/01/2046	गुरु	20/02/2048	शनि	08/08/2049	बुध	11/11/2050
राहु	31/10/2044	गुरु	23/02/2046	शनि	24/07/2048	बुध	18/09/2049	केतु	09/12/2050
गुरु	19/02/2045	शनि	18/04/2046	बुध	09/12/2048	केतु	05/10/2049	शुक्र	28/02/2051
शनि	30/06/2045	बुध	06/06/2046	केतु	04/02/2049	शुक्र	23/11/2049	सूर्य	25/03/2051

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि		शनि - बुध		शनि - केतु	
25/03/2051		29/02/2052		24/07/2054		27/07/2057		05/04/2060	
29/02/2052		24/07/2054		27/07/2057		05/04/2060		15/05/2061	
मंगल	14/04/2051	राहु	09/07/2052	शनि	14/01/2055	बुध	13/12/2057	केतु	29/04/2060
राहु	04/06/2051	गुरु	03/11/2052	बुध	19/06/2055	केतु	09/02/2058	शुक्र	05/07/2060
गुरु	19/07/2051	शनि	22/03/2053	केतु	22/08/2055	शुक्र	22/07/2058	सूर्य	25/07/2060
शनि	11/09/2051	बुध	24/07/2053	शुक्र	21/02/2056	सूर्य	10/09/2058	चंद्र	28/08/2060
बुध	29/10/2051	केतु	13/09/2053	सूर्य	16/04/2056	चंद्र	01/12/2058	मंगल	21/09/2060
केतु	18/11/2051	शुक्र	06/02/2054	चंद्र	17/07/2056	मंगल	27/01/2059	राहु	21/11/2060
शुक्र	14/01/2052	सूर्य	22/03/2054	मंगल	19/09/2056	राहु	23/06/2059	गुरु	14/01/2061
सूर्य	31/01/2052	चंद्र	03/06/2054	राहु	02/03/2057	गुरु	01/11/2059	शनि	19/03/2061
चंद्र	29/02/2052	मंगल	24/07/2054	गुरु	27/07/2057	शनि	05/04/2060	बुध	15/05/2061

शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र		शनि - मंगल		शनि - राहु	
15/05/2061		15/07/2064		27/06/2065		26/01/2067		06/03/2068	
15/07/2064		27/06/2065		26/01/2067		06/03/2068		11/01/2071	
शुक्र	24/11/2061	सूर्य	01/08/2064	चंद्र	14/08/2065	मंगल	18/02/2067	राहु	09/08/2068
सूर्य	21/01/2062	चंद्र	30/08/2064	मंगल	16/09/2065	राहु	20/04/2067	गुरु	26/12/2068
चंद्र	27/04/2062	मंगल	19/09/2064	राहु	12/12/2065	गुरु	13/06/2067	शनि	08/06/2069
मंगल	03/07/2062	राहु	10/11/2064	गुरु	27/02/2066	शनि	16/08/2067	बुध	03/11/2069
राहु	24/12/2062	गुरु	26/12/2064	शनि	30/05/2066	बुध	13/10/2067	केतु	03/01/2070
गुरु	27/05/2063	शनि	19/02/2065	बुध	20/08/2066	केतु	05/11/2067	शुक्र	25/06/2070
शनि	26/11/2063	बुध	09/04/2065	केतु	23/09/2066	शुक्र	12/01/2068	सूर्य	16/08/2070
बुध	08/05/2064	केतु	30/04/2065	शुक्र	28/12/2066	सूर्य	01/02/2068	चंद्र	11/11/2070
केतु	15/07/2064	शुक्र	27/06/2065	सूर्य	26/01/2067	चंद्र	06/03/2068	मंगल	11/01/2071

शनि - गुरु		बुध - बुध		बुध - केतु		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य	
11/01/2071		24/07/2073		21/12/2075		17/12/2076		18/10/2079	
24/07/2073		21/12/2075		17/12/2076		18/10/2079		23/08/2080	
गुरु	14/05/2071	बुध	26/11/2073	केतु	11/01/2076	शुक्र	07/06/2077	सूर्य	02/11/2079
शनि	08/10/2071	केतु	16/01/2074	शुक्र	11/03/2076	सूर्य	29/07/2077	चंद्र	28/11/2079
बुध	16/02/2072	शुक्र	11/06/2074	सूर्य	29/03/2076	चंद्र	23/10/2077	मंगल	16/12/2079
केतु	10/04/2072	सूर्य	25/07/2074	चंद्र	28/04/2076	मंगल	23/12/2077	राहु	01/02/2080
शुक्र	11/09/2072	चंद्र	07/10/2074	मंगल	20/05/2076	राहु	27/05/2078	गुरु	13/03/2080
सूर्य	27/10/2072	मंगल	27/11/2074	राहु	13/07/2076	गुरु	12/10/2078	शनि	01/05/2080
चंद्र	12/01/2073	राहु	08/04/2075	गुरु	30/08/2076	शनि	25/03/2079	बुध	14/06/2080
मंगल	07/03/2073	गुरु	03/08/2075	शनि	26/10/2076	बुध	18/08/2079	केतु	02/07/2080
राहु	24/07/2073	शनि	21/12/2075	बुध	17/12/2076	केतु	18/10/2079	शुक्र	23/08/2080

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	1
भाग्यांक	3
मित्र अंक	1, 4, 8, 9, 3
शत्रु अंक	5, 6
शुभ वर्ष	19,28,37,46,55
शुभ दिन	शनि, बुध, शुक्र
शुभ ग्रह	शनि, बुध, शुक्र
मित्र राशि	कर्क, धनु
मित्र लग्न	सिंह, मकर, मीन
अनुकूल देवता	हनुमान
शुभ रत्न	हीरा
शुभ उपरत्न	जरकिन, ओपल
भाग्य रत्न	नीलम
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	रजत
शुभ दिशा	दक्षिणपूर्व
शुभ समय	सूर्योदय
दान पदार्थ	मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन
दान अन्न	चावल
दान द्रव्य	दूध

ग्रह फल

सूर्य

ग्यारहवें भाव में सूर्य हो तो जातक धनी, बलवान्, सुखी, स्वाभिमानी, तपस्वी, मितभाषी, सदाचारी, योगी, अल्पसन्तति एवं उदररोगी होता है।

मीन राशि में रवि हो तो जातक बुद्धिमान्, यशस्वी, व्यापारी, विवेकी ज्ञानी, योगी, प्रेमी, गुप्त विद्याओं में रुचि रखने वाला और स्वसुर से लाभन्वित होता है।

आपके जन्म समय में सूर्य एकादश भाव में स्थित है अतः आप पिता के हमेशा प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा सामान्य रूप से वे शारीरिक व्याकुलता की अनुभूति भी करेंगे। धनैश्वर्य एवं सम्मान से वे हमेशा युक्त रहेंगे एवं जीवन में आपको सर्वप्रकार के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अपना वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करते रहेंगे। साथ ही आपके धनार्जन के साधनों की उन्नति में भी वे आपको प्रायः सहयोग तथा निर्देश प्रदान करते रहेंगे।

आपकी भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान की भावना रहेगी एवं उनकी आज्ञा का अनुपालन करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे तथा यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे। आप जीवन में उनको हमेशा वांछित सहयोग तथा सहायता प्रदान करते रहेंगे एवं अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार से कष्टानुभूति नहीं होने देंगे।

चन्द्र

बारहवें भाव में चन्द्रमा हो तो जातक मृदुभाषी, चिन्ताशील, एकान्तप्रिय, क्रोधी, कफरोगी, चंचल, नेत्ररोगी एवं अधिक व्यय करने वाला होता है।,

मेष राशि में चन्द्रमा हो तो जातक स्थिर सम्पत्तिवान्, शूर, दृढ़ शरीरवाला, बन्धुहीन, कामी, उतावला, जलभीरू, यात्रा करने का शौकीन ,आत्माभिमानी एवं साहसी होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति द्वादश भाव में है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य सामान्य अच्छा रहेगा तथा यदा कदा कष्टों का भी सामना करना पडेगा। लेकिन आपके प्रति उनके मन में वात्सल्य का भाव रहेगा तथा जीवन में आपको प्रायः यथाशक्ति अपना सहयोग प्रदान करती रहेंगी। आप उनसे अच्छे तथा पुण्य के कार्यों के प्रति प्रवृत होंगे तथा समयानुसार दानादि को भी उन्हीं के कथनानुसार सम्पन्न करेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति आदर का भाव रहेगा एवं उनकी आज्ञा का पालन आप कुछ अवसरों को छोडकर करते रहेंगे। आपके परस्पर संबंध विशेष मधुर नहीं होंगे क्योंकि आप में काफी मतभेद रहेंगे तथापि सांसारिक संबंधों में कोई तनाव नहीं रहेगा एवं सामंजस्य पूर्वक आप के परस्पर व्यवहार चलते रहेंगे। साथ ही उन्हें कष्ट के समय आप अपनी ओर से पूर्ण सहयोग तथा सहायता अवश्य प्रदान करेंगे।

मंगल

लग्न (प्रथम) में मंगल हो तो जातक, चपल, क्रूर, महत्वाकांक्षी, विचार रहित, गुप्तरोगी, उतावला, लौहधातु एवं व्रणजन्य, कष्ट से युक्त, व्यवसायहानि, दुर्घटना की सम्भावना, दुःखी, निर्धन एवं साहसी होता है।

वृष राशि में मंगल हो तो जातक अत्यन्त कामुक, अनैतिक आचरण, पुत्रद्वेषी, प्रवासी, सुखहीन, लड़ाकू प्रकृति, वंचक, सिद्धान्त रहित, स्वार्थी एवं क्रूर होता है।

आपके जन्म काल में मंगल प्रथम भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक अस्वस्थता उनमें परिलक्षित होगी। धन धान्य से वे प्रायः सुसम्पन्न ही दौरान आपकी- प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह भाव रहेगा एवं जीवन में आपको प्रायः अपना आथिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करते रहेंगे।

आप भी उनको हृदय से चाहेंगे तथा उनकी वांछित सहायता एवं सहयोग करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर ही होंगे परन्तु यदा कदा मतभेद के कारण संबंधों में कटुता या तनाव भी उत्पन्न होगा लेकिन यह अल्प समय के लिए ही रहेगा उसके बाद सब कुछ सामान्य हो जाएगा। इस प्रकार मध्यम रूप से आप एक दूसरे का परस्पर सहयोग करते रहेंगे।

बुध

दशमभाव में बुध हो तो जातक सत्यवादी, मनस्वी, व्यवहार कुशल, लोकमान्य, विद्वान, लेखक, कवि जमींदार, मातृ-पितृ भक्त, राजमान्य, न्यायी एवं भाग्यवान् होता है।

कुम्भ राशि में बुध हो तो जातक कुटुम्बहीन, दुःखी, अल्पधनी, झगड़ालू, प्रसिद्ध निर्बल स्वास्थ्य एवं प्रगति करने वाला होता है।

गुरु

ग्यारहवें भाव में गुरु हो तो जातक व्यवसायी, धनिक, सन्तोषी, सुन्दरनिरोगी, लाभवान्, पराक्रमी, सद्व्ययी, बहुस्त्रीयुक्त, विद्वान् राजपूज्य एवं अल्पसन्ततिवान् होता है।

मीन राशि में गुरु हो तो जातक लेखक, शास्त्रज्ञ, गर्वहीन, राजमान्य, शान्त, व्यवहार कुशल, दयालु, साहित्य प्रेमी, विरासत में धन सम्पत्ति प्राप्त करने वाला, साहसी एवं उच्चपद पर आसीन होता है।

शुक्र

दशम भाव में शुक्र हो तो जातक गुणवान्, दायालु, विलासी, ऐश्वर्यवान्, भाग्यवान्, न्यायवान् विजयी, गानप्रिय, धार्मिक ज्योतिषी एवं लोभी होता है।

कुम्भ राशि में शुक्र हो तो जातक शान्तिप्रिय, दूसरों को सहायता करने वाला, सच्चरित्र, सुन्दर, लोकप्रिय, चिन्ताशील एवं रोग से सन्तप्त होता है।

शनि

सप्तम भाव में शनि हो तो जातक क्रोधी, कामी, विलासी, अविवाहित रहना या दुःखी विवाहित जीवन, धन सुखहीन, भ्रमणशील, नीचकर्मरत, स्त्रीभक्त एवं आलसी होता है।

वृश्चिक राशि में शनि हो तो जातक संकीर्ण विचारों वाला, हिंसक, कठोरघ्दय, उतावला, कमजोर स्वास्थ्य, बुरी आदतें, दुःखी, विष से खतरा, निर्धन स्त्रीहीन, क्रोधी, कठोर एवं लोभी होता है।

राहु

ग्यारहवें भाव में राहु हो तो जातक परिश्रमी, अल्पसन्तान, विदेशियों से धनलाभ, दीर्घायु, मन्दमति, लाभहीन, अरिष्टनाशक, व्यवसाययुक्त, कदाचित् लाभदायक एवं कार्य सफल करने वाला होता है।

मीन राशि में राहु हो तो जातक आस्तिक, कुलीन, शान्त, कलाप्रिय और दक्ष होता है।

केतु

पंचम भाव में केतु हो तो जातक वातरोगी, कुचाली, कुबुद्धि, सन्तान को नष्ट करता है, योगी, कुशाग्रबुद्धि एवं क्रोधी होता है।

कन्या राशि में केतु हो तो जातक सदारोगी, मूर्ख, मन्दाग्निरोग एवं व्यर्थवादी होता है।

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पडता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पडता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्र:

अष्टम स्थानस्थ ढैया	01/04/1987-17/12/1987	----------	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	02/06/1995-10/08/1995	16/02/1996-17/04/1998	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	17/04/1998-07/06/2000	----------	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	07/06/2000-23/07/2002	08/01/2003-07/04/2003	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	06/09/2004-13/01/2005	26/05/2005-01/11/2006	10/01/2007-16/07/2007

द्वितीय चक्र:

अष्टम स्थानस्थ ढैया	02/11/2014-26/01/2017	21/06/2017-26/10/2017	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	29/03/2025-03/06/2027	03/06/2027-23/02/2028	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	03/06/2027-03/06/2027	23/02/2028-08/08/2029	05/10/2029-17/04/2030
साढेसाती तृतीय ढैया	08/08/2029-05/10/2029	17/04/2030-31/05/2032	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	13/07/2034-27/08/2036	----------	----------

तृतीय चक्र:

अष्टम स्थानस्थ ढैया	11/12/2043-23/06/2044	30/08/2044-08/12/2046	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	14/05/2054-02/09/2054	05/02/2055-07/04/2057	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	07/04/2057-27/05/2059	----------	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	27/05/2059-11/07/2061	13/02/2062-07/03/2062	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	24/08/2063-06/02/2064	09/05/2064-13/10/2065	03/02/2066-03/07/2066

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
अष्टम स्थानस्थ ढैया	सम	दाम्पत्य कलह
साढेसाती प्रथम ढैया	शुभ	धनार्जन
साढेसाती द्वितीय ढैया	अशुभ	व्यय
साढेसाती तृतीय ढैया	शुभ	स्वास्थ्य
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम	पराक्रम हानि

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म-पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।